साहित्य अकादमी में भारतीय मैक्सिकाई लेखक सम्मेलन का हुआ आयोजन

दिल्ली में स्थित साहित्य अकादमी में भारत और मैक्सिको के दूतावास के द्वारा भारतीय मैक्सिकाई लेखक सम्मेलन का आयोजन किया गया।

आलोकपर्व नेटवर्क

नई दिल्लीः राजधानी में स्थित साहित्य अकादमी में भारत और मैक्सिको के दूतावास के द्वारा भारतीय मैक्सिकाई लेखक सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें भारत और मैक्सिको दोनों देशों के कई प्रसिद्ध लेखक और मुख्य अतिथि के तौर पर मेक्सिको के भारत में राजदूत फेडेरिको सालास लोत्फे शामिल हुए और अपने विचारों का आदान-प्रदान किया। सम्मेलन की शुरूआत में साहित्य अकादमी के सचिव के श्रीनिवास राव ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि दोनों देशों की संस्कृतियां बेहद प्राचीन है और दोनों देशों के संबंध भी हमेशा से बेहद खास रहे हैं।

दोनों देशों के साहित्य पर हुई चर्चा

प्रोफेसर के श्रीनिवास राव ने कहा कि दोनों देशों ने परस्पर भाषा के अनुवाद के जरिए एक दूसरे के बीच संवाद स्थापित किया है। दोनों ही देशों का प्राचीन साहित्य रहा है और स्वतंत्रता के बाद से दोनों का साहित्य बेहद समृद्ध और विभिन्न विधाओं में बखूबी व्यक्त किया गया।

जेएनयू के प्रोफेसर भी हुए सम्मेलन में शामिल

इस दौरान साहित्य अकादमी के सचिव के श्रीनिवासराव ने अकादमी द्वारा प्रकाशित स्पेनिश साहित्य की भी जानकारी दी और बताया कि दोनों देशों के बीच आदान-प्रदान लगातार चलता रहेगा। इसके अलावा जेएनयू में स्पेनिश भाषा केंद्र के अध्यक्ष रहे एसपी गांगुली भी इस सम्मेलन में शामिल हुए, जिन्होंने दोनों देशों के बीच विभिन्न भाषाओं में अनुवाद की प्राचीन परंपरा की जानकारी देते हुए कहा कि भारत में 1000 से ज्यादा भाषाएं होने के कारण यहां की अनुवाद प्रक्रिया पश्चिमी देशों से बिल्कुल अलग है।

मेक्सिको में बोली जाती हैं 64 भाषाएं

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुए भारत में मेक्सिको के राजदूत ने कहा कि मैं इस कार्यक्रम को सम्मेलन की जगह संवाद कहना चाहूंगा। इस संवाद में हम तय कर पाएंगे कि आने वाले समय में हमें दोनों देशों के बीच कैसे रिश्ते को आगे लेकर जाएं, उन्होंने मेक्सिको के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि वहां 64 भाषाएं हैं और यह सभी स्वदेशी भाषाएं अपने अस्तित्व के लिए लड़ रही हैं।